न्यूज डायरी

उत्तर कोरिया ने सोहे उपग्रह प्रक्षेपण स्थल से किया महत्वपूर्ण परीक्षण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सोल। उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता पर गतिरोध कायम रहने के बीच प्योंगयांग ने अपने सोहे सैटलाइट लॉन्च साइट से एक अन्य महत्वपूर्ण परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह मिसाइल परीक्षण ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु निरस्त्रीकरण की बातचीत रुकी पड़ी है। केसीएनए संवाद समिति के मुताबिक, उत्तर कोरिया की राष्ट्रीय रक्षा विज्ञान अकादमी के प्रवक्ता ने कहा, श्13 दिसंबर को रात 10.41 बजे से 10.48 बजे तक सोहे उपग्रह प्रक्षेपण स्थल से एक और सफल परीक्षण किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि अनुसंधान की इन सफलताओं का उपयोग उत्तर कोरिया की विश्वसनीय सामरिक परमाणु रक्षा प्रणाली को और मजबूत करने में किया जाएगा।

नेपाल के दक्षिणी शहर में विस्फोट, 3 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल के दक्षिणी शहर स्थित एक घर में हुए विस्फोट में मकान मालिक, उसके बेटे और एक पुलिस अधिकारी की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि महेंद्रनगर शहर में आधी रात के बाद हुए विस्फोट में एक अन्य पुलिस अधिकारी, मकान मालिक का एक बेटा और एक बेटी घायल भी हुए हैं। मकान मालिक का एक मेडिकल स्टोर था। उन्होंने बताया कि मकान मालिक ने घर के प्रवेश द्वार पर एक संदिग्ध उपकरण देखा था, जिसके बाद उसने पुलिस को बुलाया। अधिकारी उसकी जांच कर ही रहे थे कि वह फट गया। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। हमले की किसी ने जिम्मेदारी भी नहीं ली है। यह शहर राजधानी काठमांडू से 200 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में स्थित है।

पाकिस्तान में अब भी पोलियो होना शर्म की बातः इमरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि यह शर्म की बात है कि हमारा देश उन दो देशों में से एक है, जहां अब भी पोलियो मौजूद है। खान ने इस्लामाबाद में देशव्यापी पोलियो उन्मूलन अभियान के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए परिजन से आगे आकर अपने बच्चों को पोलिया का टीका लगवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि पाकिस्तान दुनिया के उन दो देशों में एक है जहां पोलियो अब भी मौजूद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार केवल पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नाइजर ही ऐसे देश हैं, जो अब तक पोलियो पर काबू नहीं पा सके हैं।

बलूचिस्तानः वैन–बस में भिड़त, 15 यात्रियों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक यात्री बस और वैन की भिड़ंत के बाद दोनों वाहनों में आग लगने के कारण 15 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। यह घटना तब हुई, जब झोब जिले में कान मेहतारजाई क्षेत्र में एक वैन चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया और विपरीत दिशा से आ रही बस को टक्कर मार दी। वैन तस्करी का ईरानी तेल लेकर जा रहा था और बस के टक्कर के तुरंत बाद ही उसमें आग लग गई। अधिकारी ने कहा कि राहत बचाव टीम की कार्रवाई से पहले ही भयावह आग ने वैन और बस को अपनी चपेट में ले लिया।
अधिकारी ने आगे कहा, 44 सीटों वाली बस में चालक समेत 14 लोग थे, जो डेरा गाजी खान से यात्रियों को क्वेटा लेकर जा रही थी। वहीं वैन में भी दो लोग सवार थे। वैन में सवार और बस में सवार 13 लोगों की घटनास्थल पर ही जलने से मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। उसे गंभीर चोट आई है। वैन के जरिए तेल की तस्करी को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

ठीक नहीं है मुझ पर महाभियोग चलानाः ट्रंप

महाभियोग

- ■अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ दो आरोपों को सही बताया
- ■प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया, देश बढ़ा आगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा है कि उनपर महाभियोग चलाना ठीक नहीं है, क्योंकि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है और उनके नेतृत्व में देश काफी आगे बढ़ रहा है।

ट्रंप ने शुक्रवार रात एक ट्वीट में कहा, श्यह ठीक नहीं है कि मुझ पर महाभियोग चलाया जा रहा है, जबकि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। इससे पहले अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ दो आरोपों को मंजूरी दे दी। इस तरह कथित कदाचार के लिए प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, जहां विपक्षी डेमोक्रैटिक पार्टी को बहुमत हासिल है।

प्रतिनिधि सभा में पास होने के बाद महाभियोग मुकदमा 100 सदस्यीय अमेरिकी सीनेट में चलाया जाएगा, जहां ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी बहुमत में है। ट्रंप ने एक अन्य ट्वीट में कहा, कट्टर वामपंथी कुछ नहीं करते, डेमोक्रैट्स नफरत की पार्टी बन गए हैं। वे हमारे देश के लिए बहुत बुरे हैं। इससे पहले उन्होंने महाभियोग को छल और राजनीति से प्रेरित बताया था।

ट्रंप ने इससे पहले वॉइट हाउस में मीडिया से कहा, महाभियोग एक छल है। यह शर्मनाक है। इसकी शुरुआत बहुत पहले हो गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ भी गलत नहीं हुआ है। ट्रंप ने कहा, महाभियोग का इस तरह इस्तेमाल बहुत भयावह है, जोकि आपातकाल में प्रयोग का साधन है।

ट्रंप ने जोर देकर कहा, यह एक फोन कॉल के लिए हो रहा है, जहां उस देश के राष्ट्रपति ने कहा कि उनपर कोई दबाव नहीं है। वे यह भी नहीं जानते कि हम किस चीज के बारे में बात कर रहे थे। यह पूरी तरह ठीक था और रिश्ता भी अच्छा है। मैंने उनके लिए ओबामा से अधिक किया है। यह एक घोटाला है। इसकी अनुमति नहीं मिली चाहिए। यह हमारे देश के लिए बहुत खराब है।

राष्ट्रपति ने कहा कि डेमोक्रैट्स महाभियोग को महत्वहीन बना रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी दिन डेमोक्रैट राष्ट्रपति होगा और रिपब्लिकन हाउस होगा। मुझे आशंका है कि तब वे इसे याद रखेंगे, क्योंकि जब आप महाभियोग को बिना किसी कारण इस्तेमाल करेंगे तो दूसरे भी इसके इस्तेमाल से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करेंगे।

कैब से पड़ने वाले असर को लेकर हम चिंतितः अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर नजर रखने वाले अमेरिका के एक राजनयिक ने कहा कि भारत में नागरिकता (संशोधन) विधेयक (कैब) से पड़ने वाले असर को लेकर अमेरिका चिंतित है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिका के विशेष राजदूत सैम ब्राउनबैक ने ट्वीट किया, श्भारत का संविधान उसकी महान ताकतों में से एक है। एक साथी लोकतंत्र के तौर पर, हम भारत के संविधान का सम्मान करते हैं लेकिन कैब से पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित हैं।

ब्राउनबैक ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सरकार धार्मिक स्वतंत्रता सहित संविधान की अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करेगी। भारत और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह होने वाली '22' वार्ता से पहले उनका यह बयान आया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर के साथ 18 दिसंबर को दूसरे दौर की '22' वार्ता करने के लिए अगले सप्ताह यहां आएंगे। इस बीच, भारतीय अमेरिकी मुस्लिम काउंसिल द्वारा आयोजित एक संसदीय बैठक में एमगेज ऐक्शन और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, ग्रेगरी स्टैनटन ऑफ जेनोसाइड वॉच ने गुरुवार को कश्मीर और असम में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की।

ईरान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। इराक के बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास एक परिसर पर दो रॉकेट हमलों के बाद अमेरिका के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री ने शुक्रवार को ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचाया तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास जिस परिसर को निशाना बनाया गया वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। सोमवार को हुई इस घटना में कई इराकी सैनिक घायल हुए थे।

शरीफ की टॉक्सिकोलॉजी करा सकते हैं लंदन के डॉक्टर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का लंदन में इलाज कर रहे डॉक्टरों ने संकेत दिए हैं कि उनकी अस्थिर प्लेटलेट्स का कोई कारण या समाधान नजर नहीं आता है तो उनमें जहर की जांच के लिए उनके टॉक्सिकोलॉजी का आदेश दिया जाएगा। मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी।

द न्यूज इंटरनैशनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह घोषणा शुक्रवार को की गई। लाहौर हाईकोर्ट में शुक्रवार को दाखिल रिपोर्ट में डॉक्टर्स ने कहा, अगर प्लेटलेट्स काउंट में कोई बदलाव नहीं होता है तो उनका (शरीफ) संभावित टॉक्सिकोलॉजी स्क्रीन किया जा सकता है। हम उनका प्लेटलेट्स काउंट 50–150 के बीच करना चाहते हैं, जिससे प्लेटलेट्स–रोधी थेरेपी से उनका सुरक्षित इलाज किया जा सके।

नवाज के सबसे बड़े बेटे हुसैन नवाज ने इससे पहले कहा था कि हो सकता है कि उनके पिता को पाकिस्तान में नैशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) की हिरासत में जहर दिया गया हो। लंदन में पिछले सप्ताह उन्होंने फिर कहा था कि उन्होंने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। लेकिन उन्होंने कहा कि डॉक्टर उनकी लगातार गिर रहीं प्लेटलेट्स को लेकर चिंतित थे।

हिरासत के दौरान उनकी प्लेटलेट्स 24 घंटों के अंदर ही 75,000 से घटकर मात्र 2,000 रह गई थीं। भ्रष्टाचार के मामले में सात साल जेल की सजा काट रहे शरीफ को 27 अक्टूबर को बीमारी के चलते इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 8 सप्ताह के लिए रिहा किया था।

भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को फाईव आइज के साथ लाया जाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। चीन पर अपनी नजर गड़ाते हुए भारत–प्रशांत क्षेत्र में शांति और कानून का शासन बनाये रखने के अपने प्रयास के तहत अमेरिकी कांग्रेस की एक शीर्ष समिति ने आसूचना (खुफिया) सूचनाओं को साझा करने के लिए इस क्षेत्र के तीन लोकातांत्रिक देशों–– भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को 'फाईव आइज' के समतुल्य रखने की मांग की है। फाईव आइज आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, ग्रेट ब्रिटेन और अमेरिका का गठबंधन है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जिसके तहत ये पांचों देश आपस में सहयोग करते हैं और सिग्नल आसूचना, सैन्य आसूचना और मानव आसूचना आपस में साझा करते हैं। खुफियागीरी पर प्रतिनिधि सभा की स्थायी समिति के अध्यक्ष एडम शीफ ने बृहस्पतिवार को प्रतिनिधि सभा को सौंपी अपनी रिपोर्ट में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को 'फाईव आइज' के साथ लाने के पक्ष में दलील दी ताकि भारत–प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं कानून का शासन कायम रहे। भारत–प्रशांत एक ऐसा जैव–भौगोलिक क्षेत्र हैं जिसमें हिंद महासागर, पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर शामिल हैं।